

2005

HINDI

Paper I

(Literature)

[Maximum Marks : 300

Time : 3 Hours]

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt all questions from Part A, B and C. In Part D attempt any **three** questions out of five questions.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answer must be written in Hindi.

PART A

5×4=20

निम्नलिखित पर लगभग 50 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं ।

1. (क) रासो काव्य
- (ख) अवधी
- (ग) भोजपुरी
- (घ) परिनिष्ठित हिन्दी

PART B

10×10=100

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं ।

1. राष्ट्रभाषा और राजभाषा के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।
2. सूफ़ी प्रेमाख्यानों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।
3. ब्रजभाषा की उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
4. आदिकाल के नामकरण का विवेचन कीजिए ।
5. रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख दो विशेषताओं को लिखिए ।
6. ज्ञानमार्गी शाखा की साहित्यिक विशेषताओं का उल्लेख करते हुए किसी एक प्रमुख विशेषता पर प्रकाश डालिए ।
7. रीतिकालीन काव्य की शृंगारिकता का विवेचन कीजिए ।
8. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता को सोदाहरण समझाइए ।
9. रस-संप्रदाय के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
10. प्रसादयुगीन हिन्दी नाटक के विकास पर प्रकाश डालिए ।

PART C

15×6=90

निम्नलिखित सवालों के जवाब लगभग 150 शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक हैं ।

1. अपभ्रंश और अवहट्ट की भाषावैज्ञानिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2. खड़बोली-हिन्दी के विकासक्रम को समझाइए ।
3. पूर्वी हिन्दी की बोलियों के अंतःसंबंध पर प्रकाश डालिए ।
4. सगुण भक्ति-धारा की प्रमुख विशेषताओं को लिखते हुए किन्हीं दो विशेषताओं को विशद कीजिए ।
5. नई कविता की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
6. अलंकार-संप्रदाय के इतिहास एवं स्वरूप पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

PART D

30×3=90

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के लगभग 300 शब्दों में उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 30 अंक हैं ।

1. भारतेंदु-युगीन साहित्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।
2. छायावादी काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए ।
3. देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए उसकी उपयोगिता का विवेचन कीजिए ।
4. हिन्दी के यथार्थवादी उपन्यास-साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
5. स्वतंत्रता-आंदोलन में राष्ट्रभाषा हिन्दी के योगदान को विशद कीजिए ।